RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
फरवरी
13
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

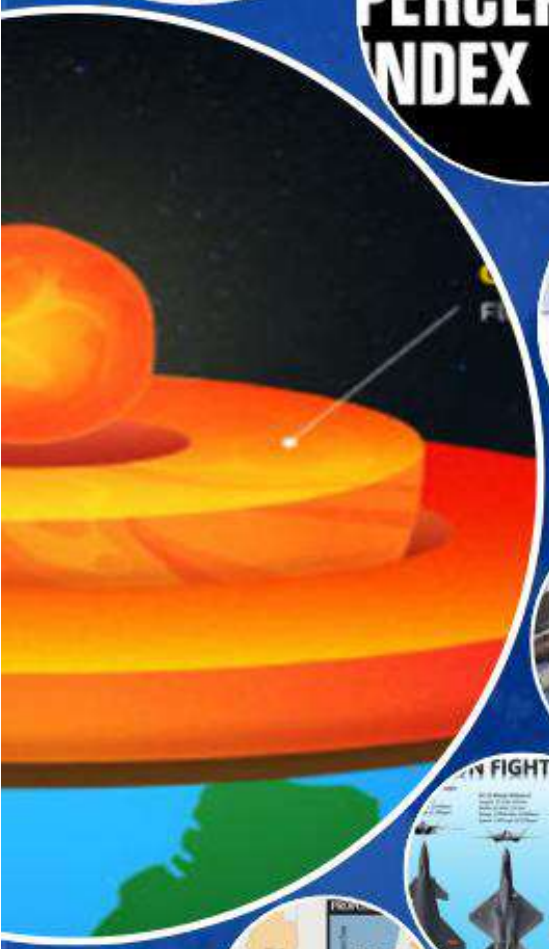

By Ankit Avasthi Sir

यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट / US Agency for International Development (USAID)

संदर्भ:

हाल ही में, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विदेशी सहायता पर 90 दिनों की रोक लगा दी ताकि इसकी अमेरिकी विदेश नीति के साथ संगति का आकलन किया जा सके। इस फैसले से **यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (USAID)** की वित्तीय सहायता वितरण प्रक्रिया रुक गई, और इसके **10,000 कर्मचारियों में से अधिकांश** को प्रशासनिक अवकाश पर भेज दिया गया, केवल कुछ आवश्यक कर्मचारियों को छोड़कर।

यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (USAID):

स्थापना:

- USAID की स्थापना **1961 में "कांग्रेस अधिनियम" के तहत की गई** थी।
- यह एक **स्वतंत्र एजेंसी** है जो **नागरिक विदेशी सहायता और विकास कार्यक्रमों का संचालन** करती है।

मिशन: लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देना, वैश्विक शांति और समृद्धि को आगे बढ़ाना, और अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के साथ तालमेल बैठाना।

प्रमुख कार्यक्षेत्र:

- आर्थिक विकास
- स्वास्थ्य और शिक्षा
- खाद्य सुरक्षा और मानवीय सहायता
- जलवायु परिवर्तन और सुशासन (गवर्नेंस)

समर्थन और बजट:

- **2024 में USAID को 44.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर** का आवंटन किया गया, जो **कुल अमेरिकी संघीय बजट का मात्र 0.4%** है।
- हालांकि, यह **संयुक्त राष्ट्र द्वारा ट्रैक की गई कुल मानवीय सहायता का 42% योगदान** देता है।
- USAID **स्वास्थ्य सेवा, खाद्य सहायता, आपदा राहत, और नीतिगत वकालत** के लिए वित्त पोषण करता है।

वैश्विक पहुंच:

- **USAID 100 से अधिक देशों में** सक्रिय रूप से कार्य करता है।
- इसके प्रमुख कार्यक्रमों में शामिल हैं:
  - **PEPFAR** – HIV/AIDS राहत कार्यक्रम
  - **Feed the Future** – खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम
  - **Power Africa** – ऊर्जा पहुंच बढ़ाने की पहल

शीर्ष सहायता प्राप्तकर्ता देश: यूक्रेन, इथियोपिया, जॉर्डन, सोमालिया और अफगानिस्तान USAID की सहायता के प्रमुख प्राप्तकर्ता हैं।

वैश्विक प्रभाव:

मानवीय संकट:

- USAID की फंडिंग में कटौती से महत्वपूर्ण कार्यक्रम बाधित हो सकते हैं, जिससे **HIV/AIDS उपचार, खाद्य सुरक्षा और आपदा राहत** के लिए निर्भर लाखों लोगों की जान जोखिम में पड़ सकती है।

प्रभावित देश:

- **यूक्रेन, इथियोपिया, सोमालिया और यमन** जैसे शीर्ष सहायता प्राप्तकर्ता देशों में विकास और मानवीय परियोजनाओं पर गंभीर असर पड़ सकता है।

संयुक्त राष्ट्र की चिंताएँ: संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि यदि **HIV/AIDS फंडिंग** रोकी गई, तो अगले **चार वर्षों में 60 लाख** से अधिक लोगों की मृत्यु हो सकती है।

USAID और भारत

- **भारत और USAID का संबंध 1951 में "इंडिया इमरजेंसी फूड एड एक्ट" से** शुरू हुआ और दशकों में यह खाद्य सहायता से लेकर बुनियादी ढांचे, क्षमता निर्माण और आर्थिक सुधारों तक विकसित हुआ।
- USAID ने **शिक्षा, टीकाकरण, पोलियो उन्मूलन और HIV/TB रोकथाम** में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- पिछले एक दशक में, **भारत को USAID** से लगभग **1.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर** प्राप्त हुए हैं, जो इसकी **कुल वैश्विक फंडिंग का 0.2% से 0.4%** तक है।

वर्तमान स्थिति:

- USAID ने भारत में अपने संचालन निलंबित कर दिए हैं, लेकिन **भारत की आत्मनिर्भरता और वैकल्पिक वित्तपोषण स्रोतों** के कारण इसका प्रभाव सीमित हो सकता है।

Su-57 फाइटर जेट / Su-57 Fighter Jet

संदर्भ:

रूस ने भारत को **Su-57 फाइटर जेट** के संयुक्त उत्पादन के लिए **हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL)** के साथ साझेदारी की पेशकश की है। इसका उद्देश्य **पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान (FGFA) तकनीक** का स्थानीयकरण करना है।

रूस-भारत FGFA साझेदारी प्रस्ताव (Su-57E):

रूस का प्रस्ताव:

- **Rosoboronexport**, रूस की **राज्य-स्वामित्व वाली रक्षा निर्यात कंपनी**, ने **Aero India 2025** में भारत के साथ **Su-57E** (पांचवीं पीढ़ी का फाइटर एयरक्राफ्ट - FGFA) के निर्माण में साझेदारी की पेशकश की।
- कंपनी ने **Hindustan Aeronautics Limited (HAL) के संयंत्र में FGFA के स्थानीय उत्पादन** का प्रस्ताव दिया, जिसकी शुरुआत **2025 में** हो सकती है।
- **पांचवीं पीढ़ी की प्रौद्योगिकियाँ** भारत को प्रदान की जाएंगी, जिनमें शामिल हैं:
  - इंजन
  - AESA (Active Electronically Scanned Array) रडार
  - ऑप्टिक्स और AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) तत्व
  - सॉफ्टवेयर और संचार प्रणाली
  - वायु-युद्धक हथियार
- यह तकनीकी सहयोग भारत के **Advanced Medium Combat Aircraft (AMCA) राष्ट्रीय कार्यक्रम** को भी मजबूत कर सकता है।

प्रतिबंध-मुक्त आपूर्ति आश्वासन:

- Rosoboronexport ने आश्वस्त किया कि **भारत में FGFA का निर्माण** देश को **प्रतिबंधों के जोखिम से बचाएगा**।
- इससे **किसी भी भविष्य की आपूर्ति श्रृंखला बाधा** (जैसे, अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण आवश्यक घटकों की अनुपलब्धता) की चिंता नहीं होगी।

संयुक्त विकास पृष्ठभूमि:

- **2010 में भारत और रूस** ने **FGFA परियोजना** के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- इस परियोजना को **Sukhoi Design Bureau, Rosoboronexport, और HAL** द्वारा संयुक्त रूप से डिजाइन और विकसित किया जाना था।
- **भारत और रूस** दोनों ने प्रारंभिक डिजाइन के लिए **$295 मिलियन** का निवेश किया।
- 2018 में, भारत ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सहित कई मुद्दों के कारण इस परियोजना से हटने का निर्णय लिया।

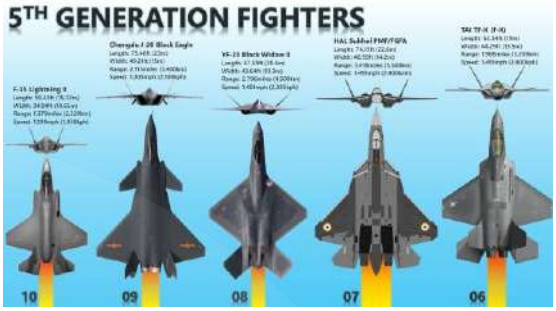

Su-57: रूस का पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर जेट

- **Su-57** रूस की United Aircraft Corporation (UAC) द्वारा विकसित एक **पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ लड़ाकू विमान** है।
- इसे **वायु श्रेष्ठता (Air Superiority) और जमीनी हमले (Ground Attack)** के लिए डिज़ाइन किया गया है।

Su-57 की प्रमुख विशेषताएँ:

1. स्टील्थ डिज़ाइन:

- **निम्न रडार क्रॉस-सेक्शन (RCS)** के साथ **कॉम्पोजिट मटेरियल और रडार-ए जॉबिंग कोटिंग** से बना है।
- इसे **रडार पर पकड़ पाना मुश्किल** होता है, जिससे यह दुश्मन के डिटेक्शन से बच सकता है।

2. AESA रडार: मल्टी-बैंड एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे (AESA) रडार से लैस, जो बेहतर स्थितिजन्य जागरूकता (Situational Awareness) प्रदान करता है।

3. सुपरमैन्युवरेबिलिटी: थ्रस्ट-वेक्टरिंग इंजन का उपयोग करता है, जिससे यह **बेहद उच्च गतिशीलता** प्राप्त करता है।

4. सुपरसोनिक क्रूज़िंग (Supercruise): बिना आफ्टरबर्नर के सुपरसोनिक स्पीड बनाए रख सकता है, जिससे **ईंधन की बचत और लंबी रेंज ऑपरेशन संभव** होता है।

5. AI-इंटीग्रेटेड सिस्टम: **AI**-सक्षम एवियोनिक्स का उपयोग करता है, जो युद्ध के दौरान तेजी से निर्णय लेने में मदद करता है।

6. उन्नत हथियार प्रणाली: हाइपरसोनिक मिसाइलों, हवा-से-हवा (Air-to-Air) और हवा-से-जमीन (Air-to-Ground) प्रिसीजन-गाइडेड हथियारों को ले जाने में सक्षम।

पृथ्वी के आंतरिक कोर में संरचनात्मक परिवर्तन / Structural changes in Earth's inner core

संदर्भ:

नए शोध के अनुसार, **पिछले 20 वर्षों में पृथ्वी के आंतरिक कोर (Inner Core) के आकार में महत्वपूर्ण** परिवर्तन हुआ हो सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि **भूकंपीय तरंगों (Seismic Waves) के विश्लेषण** के आधार पर यह बदलाव पृथ्वी के **चुंबकीय क्षेत्र (Magnetic Field)** को प्रभावित कर सकता है।

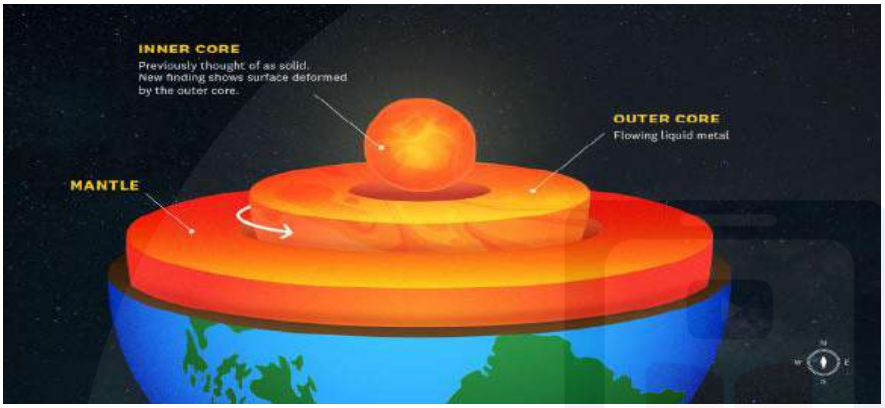

पृथ्वी की तीन प्रमुख परतें:

1. क्रस्ट (Crust) – बाहरी ठोस परत-

- यह **पृथ्वी की सबसे बाहरी परत** है।
- यह **ठोस चट्टानों से बनी होती है**, मुख्य रूप से **बेसाल्ट और ग्रेनाइट**।
- इसका औसत **मोटाई 5-70 किमी** होती है।
- **महाद्वीपीय क्रस्ट** (Continental Crust) और **महासागरीय क्रस्ट** (Oceanic Crust) में विभाजित।

2. मैंटल (Mantle) – सबसे मोटी परत-

- यह क्रस्ट के **नीचे स्थित परत** है और लगभग **2900 किमी मोटी** होती है।
- इसमें उच्च तापमान और घनत्व वाली लोहे और मैग्नीशियम-युक्त ठोस चट्टानें होती हैं।
- **अस्थेनोस्फीयर (Asthenosphere)**: मैंटल की आंशिक रूप से पिघली हुई परत, जहां **टेक्टोनिक प्लेटें गतिशील रहती हैं**।

3. कोर (Core) – पृथ्वी का केंद्र: पृथ्वी का सबसे अंदरूनी भाग, दो भागों में विभाजित:

i. बाहरी कोर (Outer Core)

- यह तरल अवस्था में होता है और **निकेल (Ni) और लौह (Fe) से बना होता है**।
- **मैग्मा और पिघली हुई धातुओं से युक्त**।
- **पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र (Magnetic Field)** के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ii. आंतरिक कोर (Inner Core):

- यह **ठोस अवस्था में होता है** और मुख्य रूप से **निकेल और लौह** से बना होता है।
- अत्यधिक दबाव के कारण, **हजारों डिग्री तापमान के बावजूद यह ठोस रहता है**।
- यह पृथ्वी की **स्वतंत्र रूप से घूमने वाली परत** है और चुंबकीय क्षेत्र बनाए रखने में सहायक है।

पृथ्वी का कोर और इसका महत्व:

मैग्नेटिक फील्ड और जीवन की रक्षा:

- **पृथ्वी का कोर जीवन की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।**
- यह **एक शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र उत्पन्न करता है**, जो हमें **सूर्य की हानिकारक विकिरण (radiation) से बचाता है**।
- **आंतरिक कोर (Inner Core)** बाहरी कोर और पृथ्वी के अन्य भागों से **स्वतंत्र रूप से घूमता** है।
- यदि यह गति रुक जाए, तो **पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र समाप्त हो सकता है**, जिससे यह **मंगल की तरह** हो सकती है, जहां मजबूत चुंबकीय क्षेत्र मौजूद नहीं है।

आंतरिक कोर में संभावित बदलाव:

- वैज्ञानिकों का मानना है कि **आंतरिक कोर का आकार बदल सकता है**।
- यह परिवर्तन **उस सीमा (Boundary) पर हो सकता है**, जहां **ठोस आंतरिक कोर और तरल बाहरी कोर मिलते हैं**।
- इसके पीछे **ऊष्मा प्रवाह (Heat Flow), गुरुत्वाकर्षण (Gravity), और धातुओं के प्रवाह (Metal Flow)** जैसे कारक जिम्मेदार हो सकते हैं।

महत्व: यदि कोर में बदलाव आता है, तो यह **पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है**।

- यह बदलाव भविष्य में **पृथ्वी की जलवायु, उपग्रह संचार और जीवमंडल (Biosphere) पर असर डाल सकता है**।

भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक / Corruption Perceptions Index

संदर्भ:

Transparency International द्वारा जारी **Corruption Perceptions Index (CPI) 2024** में **भारत 180 देशों में 96वें स्थान** पर रहा।

रिपोर्ट के प्रमुख बिंदु: वैश्विक भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (CPI):

- **भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (CPI)** 180 देशों और क्षेत्रों को सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार के अनुमानित स्तर के आधार पर रैंक करता है।
- रैंकिंग **विशेषज्ञों और व्यापारिक समुदाय के आकलन** पर आधारित होती है।
- **स्केल:** 0 (अत्यधिक भ्रष्ट) से 100 (अत्यधिक स्वच्छ)।
- **डेनमार्क ने 90 अंकों के साथ सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया, जबकि भारत का स्कोर 38** रहा, जो सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार से निपटने की चुनौती को दर्शाता है।

दक्षिण एशिया में भारत की स्थिति:

- **भारत के पड़ोसी देशों की रैंकिंग भी निम्न रही:**
  - पाकिस्तान – 135वां स्थान
  - श्रीलंका – 121वां स्थान
  - बांग्लादेश – 149वां स्थान
  - चीन – 76वां स्थान
- रिपोर्ट दर्शाती है कि **पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में भ्रष्टाचार एक गंभीर समस्या बनी हुई है**, और अधिकांश देशों में इस दिशा में बहुत कम प्रगति हुई है।

वैश्विक भ्रष्टाचार संकट:

- **सबसे भ्रष्ट देश:**
  - दक्षिण सूडान (8) और सोमालिया (9) सबसे निचले स्थान पर रहे।
  - वेनेजुएला (10) और सीरिया (12) भी अत्यधिक भ्रष्ट देशों में शामिल हैं।

वैश्विक निष्कर्ष:

- **वैश्विक औसत भ्रष्टाचार स्कोर 43 पर स्थिर है**, और **दो**-तिहाई से अधिक देशों का स्कोर 50 से कम है।
- **ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल** ने चेतावनी दी है कि **यूक्रेन** जैसे कुछ देशों में सुधार के बावजूद, दुनिया भर में भ्रष्टाचार के उच्च स्तर चिंता का विषय बने हुए हैं।
- भ्रष्टाचार वैश्विक चुनौतियों जैसे जलवायु परिवर्तन और मानवाधिकार उल्लंघनों से निपटने के प्रयासों को कमजोर कर रहा है।

भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (CPI) 2024:

परिचय

- **CPI 2024** में **180 देशों** को **सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार की धारणा** के आधार पर रैंक किया गया है।
- यह **वैश्विक भ्रष्टाचार की स्थिति को उजागर करता है**, हालांकि कुछ देशों में सुधार के संकेत मिले हैं।
- रिपोर्ट में **भ्रष्टाचार को जलवायु कार्रवाई के लिए एक प्रमुख बाधा** बताया गया है, जो **उत्सर्जन में कमी और वैश्विक तापमान प्रभावों के अनुकूलन** को प्रभावित करता है।

CPI गणना प्रक्रिया:

1. **डेटा स्रोतों का मानकीकरण (Standardize Data Sources)**: प्रत्येक स्रोत के अंकों को **औसत घटाकर और मानक विचलन से विभाजित करके** मानकीकृत किया जाता है।
   - यह **2012 से अब तक की तुलना को सुनिश्चित** करता है।
   - इसके बाद अंकों को **CPI के 0-100 स्केल** में समायोजित किया जाता है।
2. **औसत स्कोर की गणना (Calculate the Average)**
   - किसी देश का **CPI स्कोर कम से कम तीन स्रोतों के औसत पर आधारित होता है**।
   - अंतिम स्कोर को **पूर्णांक (Whole Number) में** प्रकाशित किया जाता है।
3. **अनिश्चितता रिपोर्टिंग (Report Uncertainty)**
   - CPI स्कोर में **एक मानक त्रुटि (Standard Error) और विश्वास अंतराल (Confidence Interval) शामिल किया जाता है**।
   - यह **अलग-अलग डेटा स्रोतों में भिन्नता को दर्शाने** में मदद करता है।

महत्व: CPI **भ्रष्टाचार पर वैश्विक जागरूकता बढ़ाने और नीति-निर्माण में पारदर्शिता लाने** का एक प्रमुख संकेतक है।

- **कम स्कोर** भ्रष्टाचार की गंभीरता को दर्शाता है, जबकि **उच्च स्कोर** सार्वजनिक क्षेत्र की पारदर्शिता और सुशासन (Good Governance) को इंगित करता है।

भारत-श्रीलंका मत्स्य विवाद / India-Sri Lanka Fisheries Dispute

संदर्भ:

भारत और श्रीलंका के बीच **पाल्क स्ट्रेट** में समुद्री सीमा विवाद लंबे समय से चला आ रहा है। **अवैध मछली पकड़ने, विनाशकारी मछली पकड़ने की तकनीकों** और **भारतीय मछुआरों की श्रीलंकाई नौसेना द्वारा बार-बार गिरफ्तारी** से दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव बढ़ा है।

भारत-श्रीलंका समुद्री सीमा समझौते (1974 और 1976):

नक्शे का विवरण:

- **कच्चतीवू द्वीप (Katchatheevu Island)** और उसके आस-पास के स्थानों को दर्शाया गया है।
- **दक्षिण भारत के प्रमुख स्थान**: रामेश्वरम, धनुषकोडी, कन्याकुमारी, तिरुवनंतपुरम।
- **उत्तर श्रीलंका के प्रमुख स्थान**: जाफना, मन्नार, पुट्टलम।
- **समुद्री विशेषताएँ**: **Wadge Bank** और भारत-श्रीलंका समुद्री क्षेत्र।
- कच्चतीवू द्वीप **भारत और श्रीलंका के बीच समुद्र में स्थित है**।

1974 समुद्री सीमा समझौता:

- **कच्चतीवू द्वीप** को भारत-श्रीलंका अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (IMBL) के श्रीलंकाई पक्ष में माना गया।
- भारतीय मछुआरों को द्वीप पर **मछली पकड़ने की अनुमति नहीं दी गई**, लेकिन उन्हें अपने जाल सुखाने और वार्षिक सेंट एंथोनी चर्च उत्सव में भाग लेने की अनुमति दी गई।

1976 समुद्री सीमा समझौता:

- इस समझौते में **मन्नार की खाड़ी (Gulf of Mannar) और बंगाल की खाड़ी (Bay of Bengal) में समुद्री सीमाओं** को और स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया।
- समुद्री संसाधनों पर अनन्य अधिकार तय किए गए और भारत तथा श्रीलंका के मछुआरों को एक-दूसरे के समुद्री क्षेत्रों में मछली पकड़ने की अनुमति नहीं दी गई।

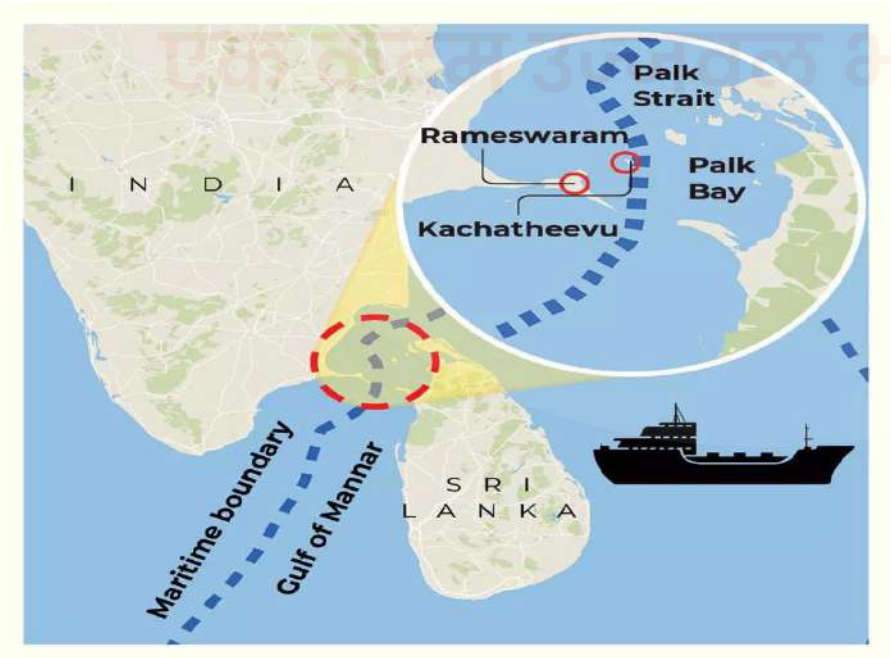

भारत-श्रीलंका मछली पकड़ने का विवाद: प्रमुख मुद्दे और हालिया घटनाक्रम

बार-बार गिरफ्तारियां और समुद्री सीमा उल्लंघन

- **लगातार गिरफ्तारियां**: तमिलनाडु के मछुआरे **अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (IMBL)** पार करते हैं, क्योंकि भारतीय जल क्षेत्र में मछलियों की संख्या घट रही है।
- **श्रीलंका की प्रतिक्रिया**: गिरफ्तारियां, नौकाएं जब्त करना और कानूनी कार्रवाई, जिससे राजनयिक संबंध प्रभावित हो रहे हैं।
- **कानूनी विवाद**: भारतीय मछुआरे ऐतिहासिक रूप से इस क्षेत्र में मछली पकड़ने का अधिकार मांगते हैं, जिससे संघर्ष बढ़ता है।

पर्यावरण और सुरक्षा संबंधी चिंताएं

- **बॉटम ट्रॉलिंग**: भारतीय मछुआरों की यह विधि श्रीलंका के समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाती है और मछलियों की संख्या कम कर रही है।
- **सुरक्षा जोखिम**: श्रीलंका को डर है कि मछली पकड़ने वाली नावों का उपयोग अवैध गतिविधियों या उग्रवाद से जुड़ी गतिविधियों में किया जा सकता है।

कच्चातीवु विवाद और आजीविका संकट

- **संप्रभुता विवाद**: भारतीय मछुआरों को कच्चातीवु द्वीप पर सीमित अधिकार मिले हैं, लेकिन तमिलनाडु के नेता इसे भारत में वापस लाने की मांग कर रहे हैं।
- **मछुआरों की परेशानी**: भारतीय जल क्षेत्र में मछलियों की कमी के कारण मछुआरे श्रीलंका के क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं, जिससे वहां के स्थानीय मछुआरे प्रभावित हो रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय कानून और राजनयिक प्रयास

महत्वपूर्ण कानून:

- **UNCLOS (1982)**: समुद्री क्षेत्रों में मछली पकड़ने और संरक्षण को नियंत्रित करता है।
- **UNFSA (1995)**: क्षेत्रीय मत्स्य प्रबंधन संगठनों (RFMOs) के नियमों का पालन आवश्यक बनाता है।

हालिया घटनाक्रम:

- **राजनयिक वार्ता**: श्रीलंका ने भारत से बॉटम ट्रॉलिंग पर प्रतिबंध लगाने की अपील की।
- **संयुक्त कार्य समूह**: विवाद सुलझाने के लिए द्विपक्षीय वार्ता मंच।
- **डीप-सी फिशिंग योजना**: भारत ने गहरे समुद्र में मछली पकड़ने को बढ़ावा देने की पहल की, लेकिन अमल धीमा है।
- **गिरफ्तारियां जारी**: बातचीत के बावजूद, **2025** तक भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारियां जारी हैं।

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ / European Free Trade Association

संदर्भ:

भारत और **यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA)** ने आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए **इंडिया-EFTA डेस्क** की शुरुआत की है। इस पहल का उद्देश्य व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना और दोनों पक्षों के बीच आर्थिक संबंधों को और गहरा करना है।

EFTA-भारत संबंधों की आर्थिक संभावनाएँ:

EFTA (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) के सदस्य देश:

- **आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे, और स्विट्जरलैंड** इस समूह के चार सदस्य देश हैं।
- भले ही इनके बाज़ार छोटे हों, लेकिन ये **उन्नत प्रौद्योगिकियों और विदेशी निवेश में अग्रणी** हैं।

EFTA की औद्योगिक शक्ति के प्रमुख क्षेत्र:

1. सटीक इंजीनियरिंग (Precision Engineering)
2. नवीकरणीय ऊर्जा (Renewable Energy)
3. फार्मास्यूटिकल्स (Pharmaceuticals)
4. वित्तीय सेवाएँ (Financial Services)

भारत-EFTA साझेदारी का महत्व:

- **मजबूत निवेश प्रतिबद्धता:** EFTA अगले 15-20 वर्षों में भारत में $100 अरब का निवेश करेगा और 1 मिलियन नौकरियों का सृजन करेगा।
- **नवाचार क्षमता को बढ़ावा: EFTA देशों की विशेषज्ञता** (उन्नत तकनीक, फार्मास्युटिकल्स, वित्तीय सेवाएँ, प्रिसीजन इंजीनियरिंग) **भारत की इनोवेशन-आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी।**
- **ग्रीन ट्रांजिशन में सहयोग:** नॉर्वे और आइसलैंड की अक्षय ऊर्जा में विशेषज्ञता भारत के सतत विकास लक्ष्यों को समर्थन देगी।
- **अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग:** स्विट्जरलैंड की तकनीक भारत के अंतरिक्ष मिशनों, विशेषकर चंद्र मिशन, में सहायक रही है।
- **व्यापार अवसरों का विस्तार:** TEPA समझौता टैरिफ में कटौती, आसान कस्टम प्रक्रियाएँ और बौद्धिक संपदा संरक्षण को सुनिश्चित करेगा।
- **व्यापार सहयोग को बढ़ावा:** 100+ EFTA कंपनियों ने भारत का दौरा किया, जिससे व्यापारिक संबंधों में बढ़ती दिलचस्पी दर्शाई गई।
- **लंबी अवधि की साझेदारी:** यह सहयोग पारंपरिक व्यापार समझौतों से अलग है, क्योंकि यह विश्वास, साझा मूल्यों और सतत विकास पर आधारित है।

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA):

परिचय:

- EFTA (European Free Trade Association) एक **सरकारी अंतरसरकारी संगठन** है, जिसमें आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं।
- **1960 में इसकी स्थापना सात सदस्य देशों** द्वारा की गई थी ताकि सदस्य देशों के बीच मुक्त व्यापार और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा दिया जा सके।

भारत और EFTA व्यापारिक संबंध:

- 2023-24 में भारत और EFTA के बीच द्विपक्षीय व्यापार $24 बिलियन तक पहुंच गया, जो **2022-23 के $18.65 बिलियन** से अधिक था।
- **EFTA में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार और निवेशक स्विट्जरलैंड है**, इसके बाद नॉर्वे का स्थान आता है।

EFTA-भारत साझेदारी के लाभ:

- भारत की तकनीकी उन्नति, स्थिरता प्रयासों और निवेश वातावरण को मजबूत कर सकता है।
- EFTA के उन्नत उद्योग और भारत की विकास महत्वाकांक्षाएँ एक-दूसरे के पूरक हैं।
- भारत को EFTA देशों से निवेश और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का लाभ मिल सकता है।
- नवीकरणीय ऊर्जा और फार्मा क्षेत्र में सहयोग से भारत की स्थिरता और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार संभव है।

भारतीय संविधान में 22 मूल चित्रकलाएं / The 22 Illustrations in the Indian Constitution

संदर्भ:

राज्यसभा में यह मुद्दा उठाया गया कि वर्तमान में उपलब्ध संविधान की अधिकांश प्रतियों में नंदलाल बोस द्वारा बनाई गई **22 मूल चित्रकलाएं** शामिल नहीं हैं, जिससे इसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत प्रभावित हो रही है।

भारतीय संविधान की चित्रकलाएँ:

- भारतीय संविधान, जो 26 जनवरी 1950 को अपनाया गया, में 22 अनूठी चित्रकलाएँ शामिल हैं।
- इन चित्रों को प्रसिद्ध कलाकार नंदलाल बोस और उनकी टीम ने बनाया।
- ये चित्र भारत के इतिहास को दर्शाते हैं, जिसमें सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर स्वतंत्रता संग्राम तक की झलक शामिल है।
- रामायण और महाभारत जैसे हिंदू महाकाव्यों के दृश्यों को भी चित्रित किया गया है।
- इन कलाकृतियों का उद्देश्य भारत की ऐतिहासिक यात्रा को रेखांकित करना था।

चित्रण की कलात्मक प्रक्रिया:

- नंदलाल बोस को अक्टूबर 1949 में इन चित्रों को बनाने की जिम्मेदारी दी गई।
- उनकी टीम में कृपाल सिंह शेखावत और ए. पेरुमल जैसे कलाकार शामिल थे।
- प्रत्येक कलाकार ने अपनी अनूठी शैली और दृष्टिकोण से योगदान दिया।
- चित्रों को संविधान के पाठ के पूरक के रूप में बनाया गया, लेकिन उनका सीधा संबंध संविधान की सामग्री से नहीं है।

भारतीय संविधान की 22 चित्रकलाओं का विवरण

1. **सिंधु घाटी सभ्यता:** मोहनजो-दड़ो के **महान स्नानागार** को दर्शाता है, जो प्राचीन नगर नियोजन और संस्कृति का प्रतीक है।
2. **गुरुकुल प्रणाली:** वैदिक काल के **गुरुकुल** में शिक्षकों और शिष्यों को प्राकृतिक वातावरण में शिक्षा प्राप्त करते हुए दिखाया गया है।
3. **रामायण दृश्य:** भगवान **राम, सीता और लक्ष्मण** को **पुष्पक विमान** में अयोध्या लौटते हुए चित्रित किया गया है।
4. **महाभारत दृश्य:** **कुरुक्षेत्र युद्ध** में भगवान **कृष्ण द्वारा अर्जुन को गीता का उपदेश** देते हुए दिखाया गया है।
5. **गौतम बुद्ध:** **बोधगया में बुद्ध को ज्ञान प्राप्त करते हुए** दिखाया गया है, जो बौद्ध धर्म के मूल सिद्धांतों का प्रतीक है।
6. **भगवान महावीर:** ध्यान मुद्रा में **महावीर स्वामी** को दर्शाया गया है, जो **अहिंसा और सत्य** के सिद्धांतों का प्रतीक है।
7. **सम्राट अशोक:** सम्राट **अशोक को बौद्ध धर्म का प्रचार करते हुए** दिखाया गया है, जो शांति और धर्म के प्रसार को दर्शाता है।
8. **गुप्त काल की कला:** हनुमान जी के एक दृश्य के माध्यम से **गुप्त काल की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर** को दर्शाया गया है।
9. **विक्रमादित्य का दरबार:** राजा **विक्रमादित्य को सिंहासन बत्तीसी पर विराजमान** दिखाया गया है।
10. **नालंदा विश्वविद्यालय:** **प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की मुहर और दृश्य** को प्रदर्शित किया गया है, जो उच्च शिक्षा के स्तर को दर्शाता है।
11. **राजा भरत:** राजा **भरत को एक घोड़े के साथ दिखाया गया है**, जो **भारत के नामकरण** का प्रतीक है।
12. **नटराज प्रतिमा:** भगवान **शिव के तांडव नृत्य** को दर्शाया गया है, जो **सृष्टि, पालन और संहार** के चक्र का प्रतीक है।
13. **भगीरथ की तपस्या:** **राजा भगीरथ की तपस्या** को दर्शाया गया है, जिसके फलस्वरूप गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ।
14. **अकबर का दरबार:** मुगल सम्राट **अकबर को उनके दरबारियों के साथ दिखाया गया है।**
15. **छत्रपति शिवाजी और गुरु गोबिंद सिंह:** मराठा शासक **छत्रपति शिवाजी** और **सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह** को दर्शाया गया है।
16. **रानी लक्ष्मीबाई और टीपू सुल्तान:** **स्वतंत्रता संग्राम के वीरों, रानी लक्ष्मीबाई और टीपू सुल्तान** को दर्शाया गया है।
17. **महात्मा गांधी:** **डांडी मार्च** को चित्रित किया गया है।
18. **नोआखाली में गांधीजी:** **महात्मा गांधी को नोआखाली के दंगा पीड़ितों के बीच दिखाया गया है**, जो **अहिंसा और शांति के संदेश** को दर्शाता है।
19. **नेताजी सुभाष चंद्र बोस:** **नेताजी को आजाद हिंद फौज के साथ दिखाया गया है।**
20. **हिमालय का दृश्य:** **हिमालयी पर्वत श्रृंखला** को दर्शाया गया है, जो **भारत की भौगोलिक विविधता** का प्रतीक है।
21. **रेगिस्तान का दृश्य:** **थार मरुस्थल** को चित्रित किया गया है, जो देश की **भौगोलिक विविधता** को दर्शाता है।
22. **समुद्र का दृश्य:** **हिंद महासागर** को प्रदर्शित किया गया है, जो **भारत की समुद्री सीमाओं और समुद्री संपदा** का प्रतीक है।

पनामा चीन की बेल्ट एंड रोड पहल से बाहर निकला / Panama Exits China's Belt and Road Initiative

संदर्भ:

पनामा सरकार ने चीन की अंतरराष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना **बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI)** से अलग होने की घोषणा की, जिससे दोनों देशों के आर्थिक सहयोग पर असर पड़ सकता है।

चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI):

- **परिचय:**
  - चीन ने **2013 में BRI की शुरुआत** की, जिसका उद्देश्य **अंतरमहाद्वीपीय स्तर पर संपर्क और सहयोग को बढ़ाना** है।
  - इसे पहले **'वन बेल्ट, वन रोड'** (One Belt, One Road) कहा जाता था, लेकिन **2016 में इसे BRI नाम दिया गया।**
- **मुख्य घटक:**
  - **सिल्क रोड इकोनॉमिक बेल्ट (Belt):**
    - भूमि आधारित व्यापार मार्ग, जो **एशिया, यूरोप और अफ्रीका** को जोड़ता है।
  - **न्यू मैरीटाइम सिल्क रोड (Road):**
    - समुद्री व्यापार मार्ग, जो **एशिया, अफ्रीका और यूरोप के बंदरगाहों को जोड़ता है।**
  - दोनों ही **बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा निवेश** से संचालित हैं।

पनामा के BRI से हटने पर चीन की प्रतिक्रिया:

- **चीन ने पनामा के राजदूत को तलब किया** और **BRI समझौते को नवीनीकृत न करने के फैसले पर कड़ा विरोध दर्ज कराया।**
- **चीन का आरोप:** अमेरिका दबाव और जबरदस्ती की रणनीति अपनाकर बेल्ट एंड रोड सहयोग को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है।

पनामा की BRI में भूमिका:

भौगोलिक स्थिति:

- पनामा **उत्तर और दक्षिण अमेरिका को जोड़ने वाला एक केंद्रीय अमेरिकी देश** है।
- यह **पश्चिम में कोस्टा रिका, दक्षिण-पूर्व में कोलंबिया, उत्तर में कैरिबियन सागर और दक्षिण में प्रशांत महासागर से घिरा है।**

वैश्विक व्यापार में महत्व:

- **पनामा नहर अटलांटिक और प्रशांत महासागरों को जोड़ती है**, जिससे **वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग 6% संचालित होता है।**
- **नहर के माध्यम से शिपिंग समय और लागत में भारी कमी आती है।**

BRI में शामिल होना:

- **पनामा 2017 में BRI में शामिल होने वाला पहला लैटिन अमेरिकी देश बना।**
- इस साझेदारी से कई महत्वपूर्ण परियोजनाएँ शुरू हुईं, जिनमें **पनामा सिटी से पश्चिमी प्रांत चिरिकी तक हाई-स्पीड रेलवे निर्माण की योजना शामिल थी।**
- **चीनी कंपनियों को बंदरगाह सुविधाओं और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास के अनुबंध मिले**, जिससे पनामा **अमेरिका में एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स हब** बनने की ओर अग्रसर था।

BRI से जुड़ी विवादित पहलू:

1. **ऋण जाल कूटनीति (Debt Trap Diplomacy):** कई देश **ऋण चुकाने में असमर्थ होते हैं**, जिससे **उन्हें रणनीतिक परिसंपत्तियों को चीन को सौंपना पड़ता है** (जैसे **श्रीलंका का हंबनटोटा बंदरगाह**)।
2. **पारदर्शिता की कमी (Lack of Transparency): अस्पष्ट ठेकेदारी प्रक्रियाएँ और अंतरराष्ट्रीय मानकों की अनदेखी।**
   - **भ्रष्टाचार और खराब प्रशासन को बढ़ावा देने के आरोप।**
3. **पर्यावरण और सामाजिक प्रभाव (Environmental & Social Impact): बड़े पैमाने पर वनों की कटाई, समुदायों का विस्थापन और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान।**
4. **भू-राजनीतिक शक्ति विस्तार (Geopolitical Power Projection):** BRI को **चीन की वैश्विक सैन्य और आर्थिक प्रभुत्व बढ़ाने की रणनीति** के रूप में देखा जाता है।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

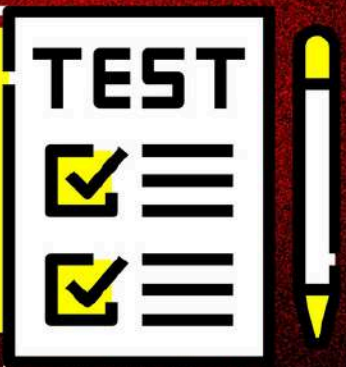

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !